समाजशास्त्र (585)

कक्षा – 12

पाठ योजना – 1

विषय	:	**समाजशास्त्र**
कक्षा	:	12
प्रकरण	:	**सामाजिक आंदोलन**
समय	:	40 से 45 मिनिट
पाठ योजना का प्रकार	:	वास्तविक शिक्षण

विषय वस्तु विश्लेषण :

- प्रस्तावना
- सामाजिक आन्दोलन की उपयोगिता
- सामाजिक आन्दोलन व सामाजिक परिवर्तन
- सामाजिक आन्दोलन के प्रकार

सामान्य उद्देश्य :

- विद्यार्थियों में समाज के प्रति तर्क व चिंतन उत्पन्न करना।
- विद्यार्थियों के विकास में वृद्धि करना।
- विद्यार्थियों में सामाजिक कुशलता व सामाजिक समायोजन का विकास करना।
- विद्यार्थियों में सामाजिक परिवर्तन के प्रति जिज्ञासा जागृत करना।

अनुदेशनात्मक उद्देश्य :

- विद्यार्थी सामाजिक आन्दोलन व परिवर्तन के बारे में जान सकेगें।
- विद्यार्थी सामाजिक आन्दोलनों के प्रकारों की व्याख्या कर सकेगें।
- विद्यार्थी सामाजिक आन्दोलन के सिद्धान्तों की व्याख्या कर सकेगें।
- विद्यार्थी सामाजिक आन्दोलन के कारण व परिणामों की पहचान कर सकेगें।
- विद्यार्थी सामाजिक आन्दोलन के साधनों का उचित प्रयोग करना सीख सकेगें।
- विद्यार्थी अपने अधिकारों का प्रयोग तथा कर्तव्यों की पालना करना सीख सकेगें।

सीखने के संसाधन :

- चौक, डस्टर, बोर्ड, संकेतक आदि।

अनुदेशनात्मक सामग्री :

- सामाजिक आन्दोलन को दर्शाते हुए चित्र व विश्व मानचित्र ।

पूर्व ज्ञान परीक्षण :

विद्यार्थियों के पूर्व ज्ञान की जानकारी हेतु निम्न प्रश्न पूछें जाएगे –

अध्यापक क्रिया	छात्र क्रिया
किसी कार्य या नीति का विरोध करने के क्या क्या तरीके हो सकते है ?	हड़ताल, तालाबंदी, भूख हड़ताल, आन्दोलन आदि
आन्दोलन एक व्यक्ति द्वारा किया जाता है या समूह द्वारा ?	व्यक्ति तथा सामूहिक रूप दोनों द्वारा
आन्दोलन क्या है ?	कोई उत्तर नहीं
आन्दोलन किस प्रकार का होना चाहिए	कोई उत्तर नहीं

उपविषय की घोषणा :

विद्यार्थियों आज हम सामाजिक आन्दोलन व उसके प्रकारों का अध्ययन करेगें ।

प्रस्तुतिकरण :

शिक्षण बिंदु	अध्यापक क्रिया	छात्र क्रिया	बोर्ड कार्य
प्रस्तावना	अनेकों बार समाज में सामूहिक हितों व अन्याय के विरुद्ध आवाज उठानी पड़ती है, समाज में हो रहे अन्याय, शोषण, भेदभाव, अव्यवस्था, रूढिवादिता, अंधविश्वास आदि के विरुद्ध लोगों को एकत्रित होकर विरोध करना पड़ता है ।	बच्चें ध्यान से सुनेगे	आन्दोलन के प्रमुख लक्षण
आन्दोलन का अर्थ व प्रमुख लक्षण	समाज द्वारा लोगों के विरुद्ध हो रहे अन्याय, शोषण, भेदभाव या समाज में व्याप्त अव्यवस्था, रूढिवादिता, अंधविश्वास आदि के विरुद्ध लोगों में लंबे समय से असंतोष व्याप्त होने पर लोग एकत्रित होकर सरकार, संगठन या व्यवस्था के प्रति विरोध प्रकट करने लगते है । यह विरोध समाज में जनहित के मामलो में परिवर्तन के लिए होते है । इसे ही सामाजिक आन्दोलन कहा जाता है। सामाजिक आन्दोलन हेतु लंबे समय तक निरंतर सामूहिक गतिविधियों की आवश्यकता होती है, यह सामाजिक परिवर्तन लाने या रोकने के लिए होते है, इनके द्वारा सरकार व संगठनो पर दबाव बनाया जाता है, इनमे लोगों के	बच्चें ध्यान से सुनेगे	आन्दोलन के प्रमुख लक्षण व विरोध के प्रमुख साधन

	विचारों, उदेश्यों में समानता होनी चाहिए । सामाजिक आंदोलनों में हड़ताल, तालाबंदी, भूख हड़ताल, सभाओ, मशाल जुलूस, नुक्कड़ नाटक, गीत आदि का सहारा लिया जाता है । बोध प्रश्न : 1. सामाजिक आन्दोलन की आवश्यकता क्यों पड़ती है ? 2. सामाजिक आन्दोलन के प्रमुख लक्षण क्या है ?	उत्तर : 1. विरोध प्रकट करने हेतु 2. संगठन, समान विचार व उद्देश्य, निरंतर सामूहिक गतिविधियां	
सामाजिक आन्दोलन के प्रकार	सामाजिक आन्दोलन मुख्यतः तीन प्रकार के होते है – 1. प्रतिदानात्मक आन्दोलन 2. सुधारवादी आन्दोलन 3. क्रांतिकारी आन्दोलन	बच्चें ध्यान से सुनेगे	सामाजिक आन्दोलन के प्रकार
प्रतिदानात्मक आन्दोलन	व्यक्तियों की चेतना व गतिविधियों में परिवर्तन लाने हेतु किये गये आन्दोलन प्रतिदानात्मक आन्दोलन है । उदाहरण : केरल के इजवाहा समुदाय में नारायण गुरू द्वारा किया गया आन्दोलन	बच्चें ध्यान से सुनेगे	प्रतिदानात्मक आन्दोलन : नारायण गुरू 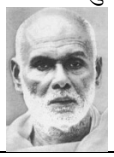
सुधारवादी आन्दोलन	सामाजिक एवम् राजनीतिक परिवर्तन हेतु धीमी गति व प्रगतिशील चरणों में किया गया आन्दोलन सुधारवादी आन्दोलन कहलाता है । उदाहरण : राज्यों का पुनर्गठन, सूचना का अधिकार, लोकपाल बिल, भारत का स्वतंत्रता आन्दोलन आदि बोध प्रश्न : 1. सूचना का अधिकार कानून कब बना ?	बच्चें ध्यान से सुनेगे उत्तर : वर्ष 2005 में	सुधारवादी आन्दोलन : राज्यों का पुनर्गठन, सूचना का अधिकार, लोकपाल बिल, भारत का स्वतंत्रता आन्दोलन

क्रांतिकारी आन्दोलन	सामाजिक सम्बन्धों, सम्पूर्ण व्यवस्था, राजनीतिक सत्ता आदि में आमूल परिवर्तन करने हेतु किया गया आन्दोलन, जिसमें हिंसा का प्रयोग भी किया जाता है । उदाहरण : फ्रांस की क्रांति, रुस की क्रांति, भारत का स्वतंत्रता आन्दोलन आदि बोध प्रश्न : 1. फ्रांस की क्रांति कब हुई ?	बच्चें ध्यान से सुनेगे उत्तर : वर्ष 1789 में	क्रांतिकारी आन्दोलन : फ्रांस की क्रांति, रुस की क्रांति, भारत का स्वतंत्रता आन्दोलन

गृहकार्य / प्रोजेक्ट :

- सामाजिक आन्दोलन क्यों आवश्यक है ?
- सामाजिक आन्दोलन के प्रकारों का वर्णन करें ।
- किन्ही तीन सामाजिक आंदोलनों का वर्णन करें ।

SOCIOLOGY
CODE-585
CLASS-12
MODEL BASED LESON PLAN

TOPIC: DEMOGRAPHIC STRUCTURE OF INDIAN SOCIETY
DURATION:45 MIN
Subtopic- Meaning of Demography

1. **LEARNING OUTCOMES-**

- Students will be able to understand the concept of demography.
- To make the students capable to understand the meaning and importance of demography.
- Students will establish relationship between society and its demographical structure.
- Generalize the concept of demography.
- Recognize theories to understand concept of demography.

2. **INSTRUCTIONAL AIDS -**
    - Charts, Pictures
    - Maps related to the topic and internet.

3. **TEACHING METHOD -**

    Lecture cum discussion method

4. **Previous Knowledge Assumed -**

    Students may have knowledge of Demography.

5. Execution

5E	Teacher Activity	Student Activity
Engage	Where does India rank in population? Do you know how many births take place in a year?	Second Answer in approximation

	Do you have any idea how many deaths occurs in a year? Do you know what is study of gathering of all this information? Announcement of the topic: Students the study of collecting and generalizing all this kind of information is known as Demography. Today we will learn about topic Demographical structure of India.	No answer No answer
Explore	Teacher will now allow the students to share their ideas on demography. Very good, another answer or point you want to explain? Very good students, you all gave good answers.	Sir/madam, the numerical collection of population size gender etc. is demography. Collecting information about occupation religion, caste etc. is also part of it.
Explain	Teacher will now explain descriptively the ideas explored by students. The systematic study of population is known as Demography. It studies the trends and processes associated with population including -changes in population size,; patterns of deaths ,births and migration and the structure and composition of population.	Students will recall from their experience. Yes Sir/Madam
Elaborate	Teacher will now elaborate ideas developed. Now we should write the etymological meaning of Demography. The term Demography is of Greek origin and is composed of two words demos and graphene.	Students: It means its study of people

	Yes, its description of people.	
Evaluate	Teacher will now allow students to explain the ideas debriefing the demography and terms related to it So, students what did we learn today?	Students: Sir/Madam we learnt about demography (Every student will give answer mentioning one point) It is study of collecting information about size of population and other parameters.

HOMEWORK:

1. What is demography? Explain its types?
2. Give the answers after studying given map?
   a) which state is mostly populated?
   b) which state is lowest population